दिनांक 30.11.2018 समाचार पत्र

उत्तराखंड व तेलंगाना के पशु चिकित्साधिकारी व सहायक निदेशकों को अविकानगर में उन्नत भेड़ उत्पादन एवं उपयोग विषय पर दिया प्रशिक्षण

निदेशक ने प्रदान किए प्रमाण-पत्र

मालपुरा। मालपुरा के केंद्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान अविकानगर में बीते पंद्रह दिनों से प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे उत्तराखंड व तेलंगाना के पशु चकित्साधिकारियों व सहायक निदेशकों को गुरूवार को समापन समारोह में संस्थान निदेशक डॉ. अरुण कुमार तोमर ने प्रमाण-पत्र प्रदान किए। प्रधान वैज्ञानिक एवं नोडल अधिकारी मिडिया डॉ. रमेश चंद शर्मा ने बताया कि केंद्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान अविकानगर में उन्नत भेड़ उत्पादन एवं उपयोग विषय पर पंद्रह दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम राष्ट्रीय कृषि प्रबंधन संस्थान मेनेज हैदराबाद के सहयोग से आयोजित किया गया।

प्रशिक्षण मुख्य रूप से कृषि विस्तार कर्मियों को विषय विशेषज्ञ-प्रमाणित पशुधन सलाहकार भेड़ में बदलने के आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में तेलंगाना व उत्तराखंड राज्य के आठ पशु चिकित्साधिकारी एवं सहायक निदेशको ने भाग लिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन समारोह में अविकानगर संस्थान निदेशक डॉ. अरुण कुमार तोमरने सभी प्रशिक्षणार्थियों को सफलता पूर्वक प्रशिक्षण प्राप्त करने पर शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रशिक्षण में प्राप्त नवीन तकनीकी ज्ञान का अपने क्षेत्र में भेड़ पालकों को लाभांवित करने के लिए प्रचारित करें। पाठ्यक्रम समनव्यक डॉ. देवेंद्र कुमार ने प्रशिक्षण संबंधी जानकारी दी। समारोह में प्रशिक्षणार्थियों ने भी अपने अनुभव सुनाए तथा क्षेत्र के भेड़ पालकों की समस्याओं का समाधान करने का भरोसा दिलाया। इस अवसर पर संस्थान के विभागाध्यक्ष व वैज्ञानिको सहित अधिकारी उपस्थित थे। डॉ. कल्याण डे ने सभी का आभार जताया।

प्रशिक्षण शिविर का समापन

मालपुरा. केन्द्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान अविकानगर में राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंध संस्थान मेनेज हैदराबाद द्वारा कृषि विस्तार कर्मियों को विषय विशेषज्ञ प्रमाणित पशुधन सलाहकार भेड़ में बदलने के विषय पर उन्नत भेड़ उत्पादन एवं उपयोग विषय पर चल रहे 15 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का समापन गुरुवार को हुआ।

समापन समारोह के मुख्य अतिथि संस्थान निदेशक डॉ. अरुण कुमार तोमर ने संस्थान की विभिन्न गतिविधियों, भेड़-बकरी पालकों के प्रशिक्षण के आर्थिक लाभों पर प्रकाश डालते हुए प्रशिक्षण के दौरान प्राप्त तकनीकों को अपने-अपने क्षेत्रों में प्रभावी रूप से लागू करने व तकनीकों को भेड़पालकों तक पहुंचाने का आग्रह किया। प्रशिक्षण समन्वयक डॉ. देवेन्द्र कुमार ने प्रशिक्षण के दौरान दी गई तकनीकों व गतिविधियों के बारे में विस्तार से जाकनारी दी। डॉ. कल्याण डे ने आभार प्रकट किया। शिविर में आन्ध्रप्रदेश व उत्तराखण्ड के पशु चिकित्सकों ने भाग लिया।